Swadesh Conclave 2024 : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बोले – हमारी सरकार ने शिक्षा, मेट्रो और रोड नेटवर्क में रिकॉर्ड काम किया था

By **Umesh Chandra** - August 9, 2024

Swadesh Conclave 2024 : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाषण

Swadesh Conclave 2024 : स्वदेश कान्क्लेव एण्ड सम्मान समारोह का आयोजन गुरुवार (8 अगस्त,2024) को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में किया गया। भारत के सबसे बड़े विजन उत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले लोगों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित वार्षिक स्वदेश कॉन्क्लेव – 'ब्रांड भारत' का आयोजन बालाजी फाउंडेशन, एपीएन न्यूज़ और इंडिया लीगल द्वारा किया गया। इस मौके पर देश के कई प्रमुख राजनीतिक दिग्गज, न्यायाधीश, वरिष्ठ पत्रकार, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। इस मौके पर सपा अध्यक्ष और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव भी स्वदेश कान्क्लेव में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने, महंगाई, मेट्रो रेल, शिक्षा और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यकाल आदि मुद्दों पर बात की।

एडिटर इन चीफ राजश्री राय ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पत्नी, सांसद डिम्पल यादव का स्वागत किया। इसके बाद अखिलेश यादव को संबोधन के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया।

अखिलेश यादव ने विपक्ष पर साधा निशाना

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा, "स्वदेश कान्क्लेव 2024...मुझे याद है जब मैं वर्षों पहले विज्ञान भवन के इसी हॉल में आया था, तब मैं मुख्यमंत्री के रूप में आया था। मैं स्वदेश की बात इसलिए कर रहा हूं क्योंकि सत्ता में बैठे लोग स्वदेश का नारा भूल गए हैं, जो लोग स्वदेशी का नारा देते थे वे जीएसटी के बाद इसे अब भूल गए।" इसके साथ ही विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "हमारे विरोधी अभी भी समीक्षा कर रहे हैं कि यूपी हार कर भी हम लोकसभा चुनाव कैसे जीत गए? दूसरी तरफ अयोध्या की हार सत्ता में बैठे लोगों को सोने नहीं देती।

"सबसे अधिक मेट्रो समाजवादियों ने बनवाई"- सांसद अखिलेश यादव

सपा सांसद ने आगे कहा, "हमारी सरकार ने 36 महीनों का काम केवल 21 महीने में कर दिखाया। यूपी में जब समाजवादियों की सरकार थी तो आगरा – लखनऊ एक्सप्रेसवे को 21 महीनों के भीतर कंप्लीट किया गया। अपने कार्यकाल में हमने एजुकेशन में बदलाव किए। हमारी सरकार के कार्यकाल में HCL का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट लखनऊ में बना। कई युवाओं को स्किल ट्रेनिंग और रोजगार प्राप्त हुआ। करीब 6000 लोग वहां काम करते हैं।" यूपी में हमारी सरकार मेट्रो लाई और सबसे अधिक मेट्रो हमने बनवाईं। दिल्ली से नोएडा को जोड़ने वाली मेट्रो भी समाजवादियों की देन है।"

इसके अलावा, "अखिलेश यादव ने देश में बेरोजगारी, महंगाई और प्रति व्यक्ति आय पर बात करते हुए कहा, आज बड़ा दुख होता है कि ग्रैजुएशन और पोस्ट ग्रैजुएशन किए छात्रों को डिलिवरी बॉय का काम करना पढ़ रहा है। सरकारी कर्मचारी 8वें वेतन आयोग की आस लगाए बैठे हैं और ये सत्ता में बैठे लोग कहते हैं हम आपको पांच हजार देंगे।" अपने भाषण के अंत में अखिलेश यादव ने मंच पर बैठे मंत्रियों, नेताओं, गायक – गायिकाओं और अन्य दिग्गजों का धन्यवाद किया।

क्या है ब्रांड भारत थीम ?

"ब्रांड भारत" की थीम वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक पहचान को दर्शाती है। स्वदेश कॉन्क्लेव जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से दुनियाभर में 'ब्रांड भारत' को ऊपर उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में, भारत की ताकत, उपलब्धियों और योगदान को प्रदर्शित करना शामिल है। यह वैश्विक क्षेत्र में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझेदारी, सहयोग और सकारात्मक धारणाओं को बढ़ावा देने पर जोर देता है। 'ब्रांड भारत' को बढ़ावा देकर, स्वदेश कॉन्क्लेव जैसी पहल न केवल राष्ट्रीय गौरव और प्रगति को बढ़ावा देती है, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर अवसरों, रचनात्मकता और नेतृत्व के केंद्र के रूप में भी स्थापित करती है।

'स्वदेश सम्मान' पुरस्कारों के बारे में

'स्वदेश सम्मान' पुरस्कार उन लोगों, प्रोजेक्ट और संस्थाओं को सम्मानित करने का काम करता है, जिन्होंने भारत को एक बेहतर राष्ट्र बनाने के लिए अथक प्रयास किया है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, कलाकारों, वकीलों और अन्य दिग्गजों सहित नौ प्रतिष्ठित जजों का एक पैनल सावधानीपूर्वक नामांकन का मूल्यांकन करता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के प्राप्तकर्ताओं को समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान, उत्कृष्टता का उदाहरण प्रस्तुत करने और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करने के लिए सावधानीपूर्वक चुना जाता है।

स्वदेश अवॉर्ड्स की शुरुआत साल 2020 में की गयी थी। स्वदेश अवॉर्ड असाधारण उपलब्धियों को हासिल करने के लिए दिया जाता है। समाज को डिजिटल, वित्तीय और सामाजिक तौर पर समावेशी बनाने के लिए लोगों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

स्वदेश मंच के जरिए प्रशासन,समावेशी विकास, टेक्नोलॉजी और उसके एप्लीकेशन, कॉरपोरेट लीडरशिप,कॉरपोरेट गवर्नेंस,सिटिजन सर्विस डिलीवरी, कैपेसिटी बिल्डिंग और इसी तरह के दूसरे क्षेत्रों में योगदान के लिए पुरस्कार दिया जाता है। 'स्वदेश' न सिर्फ असाधारण प्रतिभाओं ,संगठनों और लोगों की पहचान करता है बल्कि समाज का मार्गदर्शन करने और नेतृत्व प्रदान करने का भी काम करता है।

Umesh Chandra